13.00 hrs

इसलिए मैं आपके माध्यम से मानव संसाधन विकास मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि जयनारायण विश्वविद्यालय, जोधपुर, जिसका नाम राजस्थान सरकार ने रिकमैन्ड किया है, उसे केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाए।

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : अध्यक्ष महोदय, मुम्बई शहर में कम से कम 85000 स्लम्स को डिमॉलिश करने का प्रयत्न हुआ। जो गरीब लोग होते हैं वे रोजी-रोटी कमाने के लिए शहरों में जाते हैं। मुम्बई शहर एक इकोनोमिकल कैपिटल है और हमारे देश के लोग वहां पेट भरने के लिए जाते हैं। मेरी भारत सरकार से मांग है कि इन स्लम्स को प्रोटैक्शन देने वाला कानून बनाये जाने की आवश्यकता है। सोनिया गांधी जी द्वारा बीच में वर्ष 2000 तक की झोंपड़-पट्टियों को मान्यता देने की सूचना मुख्य मंत्री, महाराष्ट्र को देने के बाद मुख्य मंत्री जी ने वर्ष 2000 तक की झोंपड़-पट्टियों को मान्यता दी है। लेकिन इसमें कट आउट डेट ठीक नहीं है। हमारी सरकार से मांग है कि हर शहर में लोगों की जनसंख्या बढ़ती जा रही है। इसलिए लोगों को वहां कंस्ट्रक्शन करने के लिए, म्युनि सपैलिटी में काम करने के लिए और मुम्बई शहर को सुन्दर बनाने के लिए अगर बाहर के लोग वहां आते हैं तो उनके लिए मकान की व्यवस्था उनका संवैधानिक हक है और सरकार की जिम्मेदारी यह है कि शहर के लोगों की आवश्यकता .(व्यवधान) रावले जी, आपने झोंपड़-पट्टी का विरोध किया, इसलिए आप लोग उधर से हट गये हैं।

MR. SPEAKER : He is not looking at you. He is looking at me.

Shri Athawale, please address the Chair.

श्री रामदास आठवले : इसलिए यह झोंपड़-पट्टी का ही सवाल नहीं है, बल्कि गरीब लोगों को सुरक्षा देने की जिम्मेदारी हमारी सरकार की होनी चाहिए। इसलिए हम मांग करते हैं कि स्लम्स में रहने वाले लोग अपने देश के नागरिक हैं। उन्होंने वोटिंग कर दी है, इसलिए वे भारत के नागरिक हैं। अब उन्हें सुरक्षा देने की जिम्मेदारी केन्द्र सरकार की है। इसलिए अध्यक्ष महोदय

इसमें आपको भी इंटरेस्ट लेने की आवश्यकता है। आप गरीबों के नेता है, एक बहुत बड़े लीडर हैं, इसलिए आपकी भी जिम्मेदारी है कि स्लम्स में रहने वाले लोगों को कानूनी तौर पर प्रोटैक्शन देने वाला एक कानून तुंत बनना चाहिए। धन्यवाद।

MR. SPEAKER : I am happy that 33 hon. Members have got opportunity to make submissions today.

The House stands adjourned to meet again at 2 p.m.

13.01 hrs.

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till Fourteen of the Clock.